

कार्य परियोजना में बहुसांस्कृतिकता (बहुसांस्कृतिवाद)

प्रस्तुत करता है अंतर सांस्कृतिकता के साथ मौज

विविध जातीय गुटों में पार सांस्कृतिक जागरूकता तथा प्रशंसा को बढ़ावा देने हेतू हॉंग कॉंग के चीनी विश्वविद्यालय के नृविज्ञान विभाग के द्वारा कार्य परियोजना में बहुसांस्कृतिकता यह ज्ञान हस्तांतरण परियोजना है । नीचे दिए गए वेबसाइट पर जाकर मुफ्त जानकारी संच पाइए !

<http://arts.cuhk.edu.hk/~ant/knowledge-transfer/multiculturalism-in-action/index.html>

हॉंग कॉंग में दक्षिण एशियाई लोग

दक्षिण एशिया में आफगानिस्तान ए बांग्लादेश ए भूटान ए मालदीव ए नेपाल ए पाकिस्तान ए शामिल है

जातीय गुट	संख्या	%
भारतीय	२८,६१६	०.४%
नेपाली	१६५,१८	०.२%
पाकिस्तानी	१८,०४२	०.३%
अन्य एशियाई (श्रीलंका तथा बांग्लादेशी)	७०३८	०.०९%

सूचना स्रोत: जनगणना २०११

२०११ की जनगणना यह दर्शाती है कि दक्षिण एशियाई हॉंग कॉंग की लोकसंख्या का ०.९% भाग है ।

इतिहास

दक्षिण एशियाई सबसे पहले १९ वीं सदी में हॉंग कॉंग में बसे थे । वह भारतीय थे जो पुलिस, सैनिक, चाय, कपड़े और जवाहरात के व्यापारी थे । १९४७ में पाकिस्तान और १९७९ में बांग्लादेश स्वतंत्र होने पर हॉंग कॉंग में पाकिस्तानी व बांग्लादेशी समुदायों के लोग भी आने लगे ।

हॉग कॉंग में नेपाली लोगो का वास्तव्य १९४८ में अंग्रेजी (ब्रिटीश) सेना में गुरखा रेजीमेंट में होने की वजह से है । उनके चार प्रमुख कार्य थे सीमा रक्षण, अंतर्गत सुरक्षा, विस्फोटक आयुध निपटान और, समुद्र सहायता । इन गुरखाओं ने ट्रेलवॉकर और धर्मशाला जैसी धर्मदाय कार्यो की शुरुवात भी की है ।



दक्षिण एशियाई लोग ओर चीनी लोग सार्वजनिक स्वास्थ्य पर एक साथ काम कर रहे हुए

नि. गुरखा हॉग कॉंग में स्मृतिदिन मनाते हुए)



आजकल, हॉग कॉंग में अलग — अलग पेशों में दक्षिण एशियाई लोग व्यस्त है जैसे कि, एथलिट, व्यापारी, शिक्षक वकील, बैंक कर्मचारी, होममेकर्स, मजदूर । उनके जातीय व्यजन, स्वास्थ्य के लिए व्यायाम (जैसे योगा) और धार्मिक उत्सव अब हॉग कॉंग के स्थानिय जीवन तथा स्थानिय विरासत का भाग बन गए है जिससे हॉग कॉंग एक बहुसांस्कृतिक और वैविध्यपूर्ण महानगरी बन चुका है ।

युगमन (समागमन)

दक्षिण एशियाई लोगों ने हॉग कॉंग में अपने घर बनाए है और यहाँ की स्थानिय जीवनशैली भी अपनाया है । दक्षिण एशियाई किराणा और रेस्टरा भी यहाँ देखने को मिलते है खासकर टीम शा, सुई, याउ मा तै और यूइन लौग जैसे भागो में । बहुत से रेस्टरा को चीनी नाम दिए गए है जहाँ पर चीनी व्यजनों के साथ साथ विविध जाती के ग्राहकों के लिए अनेक व्यजन मिलते है ।

बहुतसे दक्षिण एशियाई उत्सव और रिवाजों का पालन हॉग कॉंग में होता है । उदाहरण के लिए हर साल यहाँ बंगाली लोग याउ मा तै में दुर्गा पुजा (माता का उत्सव) मनाते है, तो नेपाली गुरुंग लोग किम शान कन्टी पार्क में लोसर (तिबेती नया साल) मनाते है ।



दुर्गा पुजा का पश्चिम बंगाली पर्व का हॉग कॉग में आयोजन

लोसर (गुरुंग नया साल) का कीम शान कन्ट्री पार्क में आयोजन



दक्षिण एशियाई लोगो ने हॉग कॉग में शिक्षा, जन स्वास्थ्य और याता — यात के विकास के लिए अपना योगदान दिया है । इन्होंने हॉग कॉग विश्वविद्यालय, बेलीलिओस स्कूल, स्टनजी अस्पताल व स्टार फेरी की स्थापना भी की है ।

बाधाएँ

हॉग कॉग में दक्षिण एशियाई लोगों के लिए सबसे बड़ी बाधा चीनी भाषा सिखना है । घर पर लोग अपनी भाषा में बात करते हैं इसलिए चीनी भाषा का अभ्यास नहीं हो पाता । कुछ लोग अच्छी कैन्टोनीस भाषा बोलते हैं फिर भी उच्च शिक्षा तथा नौकरी प्राप्त करने में चीनी भाषा पढ़ने तथा लिखने ना जानने के कारण अड़चन पैदा होती है ।

लोक सेवा में सांस्कृतिक संवेदना का अभाव होने के कारण दक्षिण एशियाई लोगों में यह भावना उत्पन्न होती है कि उनसे भेदभाव हो रहा है । उदाहरण के तौर पर स्वास्थ्य रक्षण संस्थाओ इन जातीय अल्पसंख्यक लोगों की धार्मिक तथा सांस्कृतिक जरूरतों पर ध्यान देने की आवश्यकता है । मुसलमान समुदाय के लोगों को अधिक अड़चनों का सामना करना पडता है क्योंकि यहाँ पर ताजे हलाल मटन दुकान बहुत कम है और बहुत कम रेस्टरा है जहाँ पर हलाल खाना मिलता है ।

कबड्डी के साथ मौज

कबड्डी यह एक दक्षिण एशिया के गांवों में खेले जाने वाला मशहूर पारंपारिक खेल है। अब यह एशियाई गेम्स का औपचारिक खेल बन चुका है। कबड्डी का मतलब है जिंदा होना। यह खेल संगठन, रणनीति, चंचलतापूर्ण खेल है।

यह खेल दो गुटों में खेला जाता है जिसमें प्रत्येक गुट में ७ खिलाड़ी होते हैं। एक खिलाड़ी रेडर होता है जो मध्यरेखा को पार करके विरोधी गुटों के खिलाड़ियों (स्टोपर) को पकड़ने की कोशिश करता है। जैसे ही रेडर मध्य रेखा को पार करता है बाकी खिलाड़ी बिन रुके कबड्डी — कबड्डी के शब्द का उच्चारण करते हैं। उसने लगातार कबड्डी कबड्डी बोलते हैं शक्ति कम होने से पहले ही उसे अपने टीम के पास वापस लौटना होता है।

अगर स्टॉपर रेडर को उसकी टीम की तरफ जाने से पहले ही पकड़ता है तो स्टॉपर की टीम को एक अंक मिलता है। और अगर रेडर अपनी टीम की तरफ जाने में सफल हुआ तो रेडर टीम को अंक मिलते हैं। उसे उतने अंक मिलते हैं जितने स्टॉपर को उसने पकड़ा है। जिन्हें वह पकड़ता है वे खिलाड़ी खेल से बाहर हो जाते हैं। यह खेल बहुत जल्दी — जल्दी आगे बढ़ता है इसवजह से दर्शकों में बड़ा उत्साह देखने को मिलता है।



पाकिस्तानी और चीनी लोग कबड्डी खेलते हुए

आंतर सांस्कृतिकता को इक्वल अपॉर्च्युनिटीज कमिशनो द्वारा आर्थिक सहायता मिलता है।

FUN with Interculturalism is funded by the Equal Opportunities Commission, and supported by Department of Anthropology, Arts Faculty, Institute of Future Cities, and Office of Research and Knowledge Transfer Fund, The Chinese University of Hong Kong.

